एकीकृत राष्ट्रीय पहचान प्रणाली में क्लस्टर कम्प्यूटिंग का उपयोग

डिजाइन, कार्यान्वयन, सुरक्षा और नैतिकता

परिकल्पना और सलाह प्रोफेसर सोमेश शुक्ला

शोभित शुक्ला
डॉ सुमन कुमार मिश्र

एकीकृत राष्ट्रीय पहचान प्रणाली में क्लस्टर कम्प्यूटिंग का उपयोग डिजाइन, कार्यान्वयन, सुरक्षा और नैतिकता

प्रोफेसर सोमेश शुक्ला, डॉ. सुमन कुमार मिश्र
और शोभित शुक्ला

www.whitefalconpublishing.com

All rights reserved

First Edition, 2020

© प्रोफेसर सोमेश शुक्ला, डॉ. सुमन कुमार मिश्र
और शोभित शुक्ला, 2020

Cover design by White Falcon Publishing, 2020
Cover image source Freepik.com
साहित्यक जाँच : Urkund (0% Plagiarism)
साहित्यक आईडी: D75394060

No part of this publication may be reproduced, or stored in a retrieval system, or transmitted in any form by means of electronic, mechanical, photocopying or otherwise, without prior written permission from the author.

The contents of this book have been certified and timestamped on the POA Network blockchain as a permanent proof of existence. Scan the QR code or visit the URL given on the back cover to verify the blockchain certification for this book.

Requests for permission should be addressed to suman01041981@gmail.com

ISBN - 978-1-63640-022-8

एक राष्ट्रीय पहचान (एनआईडी) संख्या किसी भी देश के विकास के लिए आधार के रूप में कार्य करती है। आधुनिक युग में, सूचना प्रणाली की मजबूती के बिना देश का विकास नहीं हो सकता है। एनआईडी जितना मजबूत होगा, उस देश में योजनाओं और परियोजनाओं को लागू करना उतना ही आरामदायक होगा। एनआईडी व्यक्तियों को अपनी सरकार के साथ बेहतर संवाद करने और अपनी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त करने का अवसर देता है और सरकारों को अपने नागरिकों के जीवन को बदलने का अवसर देता है। जिनके महत्व में, सरकार द्वारा उचित और प्रभावी नीति और योजना बनाई जा सकती है। एनआईडी के प्रभावों का विश्लेषण करने के लिए, सात देशों - ब्राज़ील, चीन, इथियोपिया, भारत, नाइजीरिया, यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट्स के डेटा - को लिया गया है और एनआईडी का उनकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा है। यह भी दिखाया गया है। यदि उपरोक्त सात देशों में एनआईडी का सही तरीके से उपयोग किया जाता है, तो वर्ष 2030 में देश में 3 से 13% जीडीपी वृद्धि की प्रबल संभावना हो सकती है।

2008 में, विशिष्ट पहचान (UID) पत्र (आधार कार्ड) को भारत सरकार द्वारा अपनाया गया और लागू किया गया। 2020 तक लगभग 92% (125 करोड़) यूआईडी नंबर आवंटित करने का लक्ष्य भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित है। किसी भी विकासशील देश के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जब हमने इतनी संख्या में यूआईडी आवंटित किए हैं, तो इसका उपयोग करने वाली सेवाओं का एकीकरण इसकी मौलिकता को सार्थक कर सकता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधा प्रदान करके आम आदमी को बहुत लाभ पहुंचा सकता है।

इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य एक ही पोर्टल पर विभिन्न क्षेत्रों से सेवाओं के एकीकरण का उपयोग करके भारत में यूआईडी कार्ड धारकों और नए उपयोगकर्ताओं के विवरण का उपयोग करके राष्ट्रीय पहचान कोड (एनआईसी) संख्या प्रदान करना है। ताकि किसी भी नागरिक की जानकारी जैसे पैन कार्ड नंबर, परिवार का विवरण, वोटर आईडी कार्ड, स्वास्थ्य रिकॉर्ड, भूमि और संपत्ति का विवरण, दक्षता और पेशा, आय आदि। भारत सरकार को इन आंकड़ों को सुरक्षित रखना चाहिए और जिनका उपयोग किया जा सकता है आम लोगों को सुविधाएं देने के लिए सरकार द्वारा।

इस पुस्तक का विषय बताता है कि मौजूदा परिस्थितियों में मौजूदा समस्याओं के विवरण के साथ-साथ एनआईसी प्रणाली में क्लस्टर का उपयोग कैसे किया जा सकता है। एक "उंगली नस पहचान प्रणाली" आगे की सुरक्षा के लिए भी वर्णित है। पुस्तक को चार भागों में विभाजित किया गया है - डिजाइन, कार्यान्वयन, सुरक्षा और नैतिकता। यूएमएल मॉडल का उपयोग डिजाइन, सेवाओं के एकीकरण के कार्यान्वयन और डेटा की सुरक्षा के लिए किया गया है, एनआईसी के लिए सभी प्रकार के सुरक्षा उपकरणों को समझाया और आखिरकार नैतिकता को समझाया।

अंत में, यह कहा जा सकता है कि भारत जैसे विकासशील देश में एनआईसी के कार्यान्वयन से इसकी अर्थव्यवस्था में गुणात्मक वृद्धि हो सकती है।

ISBN: 978-1-63640-022-8
9 781636 400228
₹180
TECHNOLOGY

SCAN TO VIEW BLOCKCHAIN CERTIFICATION

WhiteFalcon Publishing
www.whitefalconpublishing.com